कोडेक्स

प्रश्न 1 : कोडेक्स एलिमेंटेरियस से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमिशन द्वारा अंगीकृत खाद्य मानकों और संबंधित पाठों का संग्रह कोडेक्स एलिमेंटेरियस के रूप में जाना जाता है।

''कोडेक्स एलिमेंटेरियस' से लैटिन में तात्पर्य ''खाद्य संहिता'' है।

''खाद्य मानक'' पद का उपयोग इसके जेनरिक रूप में लिया जाता है और इसमें कोडेक्स पाठों यथा मानकों, अनुशंसित रीति संहिताएँ और दिशा–निर्देश शामिल हैं।

प्रश्न 2 : कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमिशन क्या है?

उत्तर : कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमिशन (जिसे सामान्य तौर पर कोडेक्स कहा जाता है) संयुक्त एफएओ/डब्ल्यूएचओ खाद्य मानक कार्यक्रम के तहत खाद्य मानक–निर्धारण के लिए स्थापित एक संस्था है। Codex Alimentarius Commission का मुख्यालय रोम में है। यह मानक बनाने और एंडोर्स करने के लिए लगभग 185 देशों के साथ ताल–मेल करता है। इस प्रकार बने मानकों को अंतर्राष्ट्रय खाद्य संहिता कहा जाता है।

प्रश्न 3 : कोडेक्स को अधिदेश क्या है?

उत्तर : कोडेक्स को उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा करने और खाद्य कारोबार में उचित रीतियाँ सुनिश्चित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक बनाने के साथ–साथ अंतर्राष्ट्रीय सरकारी और गैर–सरकारी संगठनों द्वारा किए गए खाद्य मानक कार्य में ताल–मेल को बढ़ावा देने का अधिदेश है।

प्रश्न 4 : कोडेक्स में भागीदारी से देश को किस प्रकार लाभ होता है?

उत्तर : कोडेक्स में भागीदारी से नए अथवा लंबित प्रौद्योकीय विकासों की जानकारी होती रहती है नीति निर्धारकों को ठोस खाद्य नियंत्रण प्रणाली बनाने में सहायता मिलती है। इसके अतिरिक्त देश को एफएओ/डब्ल्यूएचओ की विशेषज्ञ संस्थाओं द्वारा राष्ट्रीय मानक नियंत्रण प्रणाली बनाने में किए गए जोखिम आकलन से सहायता मिल सकती है।

प्रश्न 5 : कोडेक्स एलिमेंटेरियस का सदस्य कौन हो सकता है?

उत्तर : कमिशन के सदस्य एफएओ और डब्ल्यूएचओ के वे सदस्य और एसोशिएट सदस्य हैं, जिन्होंने कमिशन का सदस्य बनने की इच्छा जाहिर की हो।

''सदस्य'' से तात्पर्य राष्ट्र है और एफएओ के मामले में क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण संगठन, जैसे यूरोपियन समुदाय भी है। वर्तमान में कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमिशन के 187 सदस्य और एक सदस्य संगठन (ईयू); 219 कोडेक्स पर्यवेक्षक – 56 आईजीओ, 147 एनजीओ, 16 यूएन, हैं।

प्रश्न 6 : कोडेक्स प्रक्रिया मैनुअल क्या है?

उत्तर : कोडेक्स प्रक्रिया मैनुअल कोडेक्स के सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रलेखों में से है, क्योंकि इसमें निम्नलिखित शामिल होते हैं :

- कमिशन का स्टेटश;
- प्रक्रिया नियमावली;
- कमिशन और इसकी सहायक संस्थाओं के कार्यकरण के संबंध में अतिरिक्त प्रक्रियात्मक सूचना।

प्रश्न 7 : कोडेक्स का संगठनात्मक ढाँचा क्या है?

उत्तर : कोडेस एलिमेंटेरियस का ढाँचा निम्नानुसार है :

- कमिशन;
- कार्यकारी समिति;
- कोडेक्स सचिवालय;
- कोडेक्स सहायक संस्थाएँ।

प्रश्न 8 : कार्यकारी समिति क्या होती है और इसके दायित्व क्या होते हैं?

उत्तर : कमिशन की कार्यकारी समिति (सीसीएक्सीक्यू) कमिशन के कार्यकारी अंग के रूप में कार्य करती है। यह अंग मानक–निर्धारण प्रक्रिया के प्रबंधन, मसौदा कार्य–नीति योजना के विकास, पर्यवेक्षक स्टेटस के लिए प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करता है तथा कमिशन के कार्य के संबंध सामान्य दिशा–निर्देशों की अनुशंसा करता है। कार्यकारी समिति कमिशन के सत्रों के अंतवर्ती समय में मिलती है। कार्यकारी समिति की अध्यक्षता कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमिशन के अध्यक्ष करते हैं।

प्रश्न 9 : कार्यकारी समिति का गठन क्या है?

उत्तर : कोडेक्स कार्यकारी समिति के 17 सदस्य हैं :

- अध्यक्ष
- तीन उपाध्यक्ष
- निम्नलिखित सात भौगोलिक क्षेत्रों से चयनित एक–एक सदस्य देश :
    - अफ्रीका
    - एशिया
    - यूरोप
    - लैटिन अमरीकी और कैरीबियन
    - निकट पूर्व
    - उत्तरी अमरीका
    - दक्षिण–पश्चिम प्रशांत
- छह क्षेत्रों के क्षेत्रीय कोऑर्डिनेटर।

प्रश्न 10 : कोडेक्स सचिवालय क्या है?

उत्तर : कोडेक्स सचिवालय एफएओ और डब्ल्यूएचओ द्वारा नामित स्टाफ द्वारा चलाया जाता है। यह रोम में स्थित है। यह एफएओ/डब्ल्यूएचओ के संयुक्त खाद्य मानक कार्यक्रम के क्रियान्वयन में कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमिशन की सहायता करता है और एफएओ तथा डब्ल्यूएचओ के महानिदेशकों को रिपोर्ट करता है।

प्रश्न 11 : कोडेक्स की सहायक संस्थाएँ क्या हैं?

उत्तर : कोडेक्स की चार सहायक संस्थाएँ हैं :

- **सामान्य विषय समितियाँ** (जिन्हें कभी–कभी क्षैतिज भी कहा जाता है), जो सभी खाद्य पदार्थों के लिए मानक और दिशा–निर्देश बनाती हैं;
- **वस्तु समिति** (जिसे कभी–कभी ऊर्ध्वज भी कहा जाता है), जो वस्तु विशेष के मानक बनाती है;
- **एफएओ/डब्ल्यूएचओ समन्वय समितियाँ,** जिनके माध्यम से क्षेत्र अथवा राष्ट्र–समूह क्षेत्र में खाद्य मानक–निर्धारण गतिविधियों में ताल–मेल करते हैं, जिसमें क्षेत्रीय मानक–निर्धारण शामिल है;
- **अस्थायी अंतर्राष्ट्रीय कार्य दल,** जो किसी अवधि विशेष के लिए होते हैं और विशिष्ट मुद्दों पर मानकों तथा दिशा–निर्देश तैयार करते हैं।

प्रश्न 12 : विभिन्न सामान्य विषय समितियाँ क्या हैं?

उत्तर : कोडेक्स की विभिन्न सामान्य विषय समितियाँ निम्नानुसार हैं :

- सीसीसएफ : खाद्य पदार्थों में संदूषक कोडेक्स समिति
- सीसीएफए : खाद्य सहयोज्य पदार्थ कोडेक्स समिति
- सीसीएफएच : खाद्य स्वच्छता कोडेक्स समिति
- सीसीएफआईसीएस : खाद्य आयात और निर्यात निरीक्षण और प्रणाली कोडेक्स समिति
- सीसीएफएल : खाद्य लेबलिंग कोडेक्स समिति

- सीसीजीपी : सामान्य सिद्धांत कोडेक्स समिति
- सीसीएमएएस : विश्लेषण और प्रतिचयन पद्धतियों पर कोडेक्स समिति
- सीसीएनएफएसडीयू : विशेष आहारिक उपयोग के लिए पोषण और खाद्य पदार्थों संबंधी कोडेक्स समिति
- सीसीपीआर : पेस्टीसाइड अवशिष्ट कोडेक्स समिति
- सीसीआरवीडीएफ : खाद्य पदार्थों में पशु औषध अवशिष्ट कोडेक्स समिति।

प्रश्न 13 : कोडेक्स की सामान्य विषय समितियों के कार्य क्या हैं?

उत्तर : कोडेक्स की सामान्य विषय समितियों के मुख्य कार्य निम्नानुसार हैं:

- खाद्य पदार्थों पर सामान्य रूप से लागू, विशिष्ट खाद्य पदार्थों अथवा खाद्य–समूहों पर लागू सर्वसमावेशी अवधारणाओं और सिद्धांतों का विकास करना,
- कोडेक्स के वस्तुगत मानकों के संबंधित उपबंधों की पुनरीक्षा करना अथवा उन्हें एंडोर्स करना,
- उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण अनुशंसाएँ करना।

प्रश्न 14 : कोडेक्स की विभिन्न वस्तु समितियाँ कौन–कौन सी हैं?

उत्तर : कोडेक्स की विभिन्न वस्तु समितियाँ निम्नानुसार हैं :

- सीसीससीपीएल : धान्यों, दालों और फलियों पर कोडेक्स समिति
- सीसीएफएफवी : ताजा फलों और सब्जियों पर कोडेक्स समिति
- सीसीएफओ : वसाओं और तेलों पर कोडेक्स समिति
- सीसीपीएफवी : प्रसंस्कृत फलों और सब्जियों पर कोडेक्स समिति
- सीसीएस : शर्कराओं पर कोडेक्स समिति

- सीसीएससीएच : मसालों और पाक् जड़ी बूटियों पर कोडेक्स समिति (भारत द्वारा प्रायोजित)
- सीसीएमएमपी : दूध और दुग्ध उत्पादों पर कोडेक्स समिति।

प्रश्न : एफएओ/डब्ल्यूएचओ की समन्वय समितियाँ क्या हैं?

उत्तर : छह समन्वय समितियाँ हैं अर्थात् निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए एक–एक :

- अफ्रीका (सीसीअफ्रीका)
- एशिया (सीसीएशिया)
- यूरोप (सीसीयूरो)
- लैटिन अमरीका एंड द कैरीबियन (सीसीएलएसी)
- निकट पूर्व (सीसीएनईए)
- उत्तरी अमरीका और दक्षिण–पश्चिम प्रशांत (सीसीएनएएसडब्ल्यूपी)

*भारत सीसीएशिया का मौजूदा क्षेत्रीय समन्वयक है।

प्रश्न 16 : एफएओ/डब्ल्यूएचओ की समन्वय समितियों के मुख्य कार्य क्या हैं?

उत्तर : एफएओ/डब्ल्यूएच की समन्वय समितियों के मुख्य कार्य निम्नानुसार हैं :

- प्रस्तावित विनियमात्मक पहलों और खाद्य नियंत्रण के फलस्वरूप उदित समस्याओं पर सूचनाओं के आदान–प्रदान को बढ़ावा देना;
- क्षेत्र में कोडेक्स के मानकों को बढ़ावा देना और अंगीकृत कोडेक्स पाठों के प्रयोग को मॉनिटर करना; और
- क्षेत्र विशेष अथवा राष्ट्र–समूहों के लिए मानक–निर्धारण के लिए सामान्य समन्वय करना।

प्रश्न 17 : अस्थायी अंतरसरकारी कार्य बल क्या हैं?

उत्तर : अस्थायी अंतरसरकारी कार्य बल अधिदेश विशिष्ट से सीमित अवधि के लिए स्थापित किए जाते हैं। यह अवधि प्रायः चार वर्ष से अधिक नहीं होती। क्षैतिज और ऊर्ध्वज समितियों के मामलों में इन कार्य बलों को किसी सदस्य देश द्वारा प्रायोजित किया जाता है।

प्रश्न 18 : वर्तमान में कौन सा अस्थायी अंतरसरकारी कार्य बल काम कर रहा है?

उत्तर : वर्तमान में एंटीमाक्रोबियल प्रतिरोध पर एक अस्थायी अंतरसरकारी कार्य बल काम कर रहा है। यह कार्य बल कोरिया गणतंत्र द्वारा प्रायोजित है।

प्रश्न 19 : कोडेक्स समितियों का गठन किस प्रकार किया जाता है?

उत्तर : सभी कोडेक्स समितियों के निम्नलिखित सदस्य होते हैं :

- एक अध्यक्ष;
- सदस्यों की एक बॉडी;
- भाषण–विशेषाधिकार परंतु बिना मताधिकार वाले पर्यवेक्षक; और
- समिति के कार्य में सहायता के लिए एक सचिवालय और प्रायोजक सरकार (सचिवालय सहित)।

प्रश्न 20 : विभिन्न कोडेक्स समितियों की बैठकें कितने समय बाद होती हैं?

उत्तर : सीसीएफए, सीसीसीएफ जैसी कुछ कोडेक्स समितियों की बैठकें वर्ष में एक बार होती हैं, जबकि अन्य कोडेक्स समितियों की बैठकें 18 से 24 महीनों बाद होती हैं।

प्रश्न 21 : कोडेक्स की बैठकों में कौन भाग ले सकता है?

उत्तर : इनमें सदस्य देशों के प्रतिनिधि और पर्यवेक्षक स्टेटस वाले संगठन भाग ले सकते हैं।

प्रश्न 22 : पर्यवेक्षक कोडेक्स की बैठकों में किस प्रकार योगदान दे सकते हैं?

उत्तर : कोडेक्स की बैठकों में आधिकारिक पर्यवेक्षक के स्टेटस वाले अंतर्राष्ट्रीय संगठन कोडेक्स की विभिन्न समितियों और कार्य बलों के साथ–साथ स्थापित कार्य दलों में भाग ले सकते हैं।

पर्यवेक्षक अपनी दखल दे सकते हैं, लिखित सम्मतियाँ प्रस्तुत कर सकते हैं, परंतु निर्णय केवल सदस्य (देश) ही लेते हैं।

प्रश्न 23 : कोडेक्स की सामान्य विषय समितियों और कोडेक्स की वस्तु समितियों में क्या संबंध है?

उत्तर : कोडेक्स वस्तु समितियाँ अपने क्षेत्र में उदित किसी मुद्दे पर सभी खाद्य पदार्थों पर लागू मामलों के दायित्व वाली सामान्य विषय समितियों से परामर्श और दिशा–निर्देश ले सकती हैं। विशेष रूप से कोडेक्स वस्तु मानकों के निर्धारण के समय वस्तु समितियों और सामान्य विषय समितियों में चर्चाएँ होती रहनी चाहिए।

जब तक अन्यथा आवश्यक न हो, ये सामान्य उपबंध कोडेक्स के वस्तुगत मानकों में संदर्भ के माध्यम से ही शामिल किए जाने चाहिए।

प्रश्न 24 : कोडेक्स की समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति कैसे होती है?

उत्तर : सीएसी किसी समिति के उस आयोजक देश को अभिनामित करती है, जिसने इससे संबद्ध सभी जिम्मेदारियाँ स्वीकार कर ली हों।

संबंधित सदस्य देश अपने नागरिकों में से समिति का अध्यक्ष नियुक्त करने के लिए जिम्मेदार होता है।

प्रश्न 25 : बैठक में सदस्य अपने देश का मत कैसे प्रकट कर सकते हैं?

उत्तर : सदस्यों और पर्यवेक्षकों को समिति के विचाराधीन विषयों में दखल देने की अनुमति होती है। प्रोटोकोल के अनुसार सदस्य पर्यवेक्षकों से पहले बोलते हैं और प्रतिनिधिमंडल केवल तभी बोलते हैं, जब अध्यक्ष द्वारा उन्हें बोलने के लिए कहा जाए।

आम तौर पर केवल मुख्य प्रतिनिधि को ही बोलने का अधिकार होता है, परंतु अध्यक्ष की अनुमति से प्रतिनिधिमंडल का कोई अन्य सदस्य भी तकनीकी मामलों पर बोल सकता है।

प्रश्न 26 : कार्य दल से क्या तात्पर्य है और उनकी स्थापना कैसे की जाती है?

उत्तर : कोडेक्स समिति कोई कार्य दल स्थापित कर सकती है, जो उसके सत्रों के बीच इलेक्ट्रॉनी माध्यमों अथवा भौतिक बैठकों (भौतिक कार्यकारी दल) के माध्यम से कार्य कर सकते हैं।

कार्य दलों को आम सहमति बनाने के लिए किसी मुद्दे विशेष के समाधान के लिए समिति के सत्रों के बीच स्थापित किए जा सकते हैं।

कमिशन के सभी सदस्य और पर्यवेक्षक कार्य दलों की बैठकों में भाग ले सकते हैं।

प्रश्न 27 : कोडेक्स के स्तर पर निर्णय कैसे लिए जाते हैं?

उत्तर : समिति अथवा कार्य बल स्तर पर निर्णय प्रायः सर्वसहमति से लिए जाते हैं। इस स्तर पर मतदान बहुत कम होता है और ऐसा समाधान निकालने की कोशिश की जाती है जो सबके लिए स्वीकार्य हो।

प्रश्न 28 : अंतर्राष्ट्रीय गैर–सरकारी संगठन कोडेक्स की निर्णय–प्रक्रिया में किस प्रकार भूमिका निभा सकते हैं?

उत्तर : उपभोक्ताओं, विश्वविद्यालयों और वैज्ञानिकों, उद्योगों इत्यादि का प्रतिनिधित्व करने वाले तरह–तरह के अंतर्राष्ट्रीय गैर–सरकारी संगठन कोडेक्स के कार्य में भाग लेकर अपने विचार प्रकट कर सकते हैं। तथापि, अंतिम निर्णय केवल सदस्यों द्वारा ही लिया जाता है।

प्रश्न 29 : क्या कोडेक्स मानक अनिवार्य हैं?

उत्तर : कोडेक्स के पाठ स्वैच्छिक और अबाध्य हैं। खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में सुमेलन के लिए एसपीएस करार में खाद्य सहयोज्य पदार्थों, पशु औषध और पेस्टीसाइड अवशिष्टों, संदूषकों, विश्लेषण और प्रतिचयन पद्धतियों, और स्वच्छता रीतियों संबंधी संहिताओं और दिशा–निर्देशों के संबंध में कोडेक्स एलिमेंटेरियस

कमिशन द्वारा स्थापित मानकों, दिशा–निर्देशों और अनुशंसाओं की पहचान करके उन्हें चुना गया है। इससे तात्पर्य है कोडेक्स मानक वैज्ञानिकतः औचित्यपूर्ण हैं और ऐसे बेंचमार्क के रूप में स्वीकृत हैं, जिनको ध्यान में रखते हुए ही राष्ट्रीय उपाय किए जाते हैं और विनियम बनाए जाते हैं।

तथापि कोई पर्याप्त वैज्ञानिक औचित्य होने पर सदस्य ऐसे स्वच्छता और पादप आरोग्यता संबंधी उपाय ला सकते हैं और अपना सकते हैं, जिनसे संगत अंतर्राष्ट्रीय मानकों, दिशा–निर्देशों और अनुशंसाओं से जयादा उच्चतर स्तर की स्वच्छता और पादप आरोग्यता आएगी।

प्रश्न 30 : कोडेक्स में वैज्ञानिक परामर्श के संबंध में क्या उपबंध हैं?

उत्तर : कोडेक्स के कार्य का वैज्ञानिक आधार एफएओ और डब्ल्यूएचओ द्वारा उपलब्ध कराया जाता है। वैज्ञानिक परामर्श एफएओ/डब्ल्यूएचओ की विशेषज्ञ समितियों और तदर्थ विशेषज्ञ परामर्शदाताओं द्वारा दिया जाता है।

- खाद्य सहयोज्य पदार्थों पर एफएओ/डब्ल्यूएचओ की संयुक्त विशेषज्ञ समिति (जेईसीएफए);
- पेस्टीसाइड अवशिष्टों पर एफएओ/डब्ल्यूएच की संयुक्त बैठक (जेएमपीआर);
- सूक्ष्मजैविकीय जोखिम आकलन पर एफएओ/डब्लयूएचओ की विशेष बैठकें (जेईएमआरए)।

प्रश्न 31 : जेईसीएफए क्या है?

उत्तर : खाद्य सहयोज्य पदार्थों पर एफएओ/डब्ल्यूएचओ की संयुक्त विशेषज्ञ समिति (जेईसीएफए) संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित एक अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ वैज्ञानिक समिति है। खाद्य सहयोज्य पदार्थों के आकलन के लिए इसकी बैठकें 1956 से हो रही हैं।

प्रश्न 32 : जेईसीएफए की क्या भूमिका है?

उत्तर : जेईसीएफए जोखिम आकलन का कार्य करने वाली स्वतंत्र वैज्ञानिक समिति है और एफएओ, डब्ल्यूएचओ तथा दोनों संगठनों के सदस्य संगठनों को परामर्श देती है। वैज्ञानिक परामर्श के लिए अनुरोध एफएओ/डब्ल्यूएचओ खाद्य मानक कार्यक्रम के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय खाद्य मानक और दिशा–निर्देश निर्धारण के लिए कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमिशन (सीएसी) के माध्यम से प्राप्त किए जा सकते हैं।

प्रश्न 33 : जेएमपीआर क्या है?

उत्तर : पेस्टीसाइड अवशिष्टों पर संयुक्त बैठक (जेएमपीआर) पेस्टीसाइड अवशिष्टों पर अपेक्षाओं और जोखिम आकलनों के सुमेलन के लिए एफएओ और डब्ल्यूएचओ द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित एक अस्थायी विशेषज्ञ समिति है।

प्रश्न 34 : जेएमपीआर की क्या भूमिका है?

उत्तर : मौजूदा जेएमपीआर डब्ल्यूएचओ के कोर आकलन ग्रुप और खाद्य पदार्थों और पर्यावरण में पेस्टीसाइड अवशिष्टों पर एफएओ के विशेषज्ञों के पैनल से मिलकर बनी है। डब्ल्यूएचओ कोर आकलन ग्रुप पेस्टीसाइडों के आविषालुता संबंधी डैटा का पुनरीक्षण करने और स्वीकार्य दैनिक मात्रा (एडीआई), एक्यूट रेफरेंस डोज के आकलन के लिए जिम्मेदार है और आविषालुता संबंधी अन्य मानदंडों को लाक्षणीकरण करती है। एफएओ पैनल का कार्य पेस्टीसाइड डैटा अवशिष्टों की पुनरीक्षा करने और अधिकतम अवशिष्ट स्तर का आकलन करने, सुपरवाइज्ड ट्रायल मीडियन अवशिष्ट मान (एसटीएमआर) और खाद्य तथा पशु चारों में उच्चतम अवशिष्टों (एचआर) के आकलन का कार्य करती है। अधिकतम अवशिष्ट स्तर की अनुशंसा कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमिश द्वारा सीएक्सएल के रूप में अंगीकरण हेतु विचारार्थ पेस्टीसाइड अवशिष्टों पर कोडेक्स समिति (सीसीपीआर) को की जाती है।

प्रश्न 35 : जेईएमआरए क्या है?

उत्तर : सूक्ष्मजैविकीय जोखिम आकलन पर एफएओ/डब्ल्यूएच की संयुक्त विशेषज्ञ बैठकें कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमिशन तथा एफएओ और डब्ल्यूएचओ के सदस्य देशों के अनुरोध पर और खाद्य सुरक्षा के सूक्ष्मजैविकीय मुद्दों पर जोखिम आधारित वैज्ञानिक सलाह की बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2000 में की गई थी।

प्रश्न 36 : जेईएमआरए की क्या भूमिका है?

उत्तर : जेईएमआर का ध्येय खाद्य सुरक्षा में सुधार के लिए कार्रवाइयों और निर्णयों को सूचित करने के साधन के रूप में सूक्ष्मजैविकीय जोखिम आकलन (एमआरए) का विकास करने और उसकी उपादेयता को अनुकूलतम बनाना तथा उसे विकासशील तथा विकसित दोनों प्रकार के देशों को समान रूप से उपलब्ध कराना है।

प्रश्न 37 : कोडेक्स में वैज्ञानिक परामर्श के विकास के मुख्य सिद्धांत क्या हैं?

उत्तर : मुख्य सिद्धांत निम्नानुसार हैं :

- श्रेष्ठता
- स्वतंत्रता
- पारदर्शिता
- सार्वभौमिकता।

प्रश्न 38 : कोडेक्स में नए कार्य का प्रस्ताव किस प्रकार दिया जाता है?

उत्तर : नए कार्य के प्रस्ताव प्रायः समिति स्तर पर उत्पन्न होते हैं और उन्हें कमिशन को एक परियोजना प्रलेख के रूप में बताया जाता है। कोडेक्स समिति द्वारा आरंभ किए गए सभी नए कार्यों का कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमिशन द्वारा अनुमोदन होना चाहिए।

प्रश्न 39 : कोडेक्स मानकों का निर्धारण कैसे करता है?

उत्तर : आम निर्धारण प्रक्रिया में आठ विशिष्ट चरण अपनाए जाते हैं, जिनमें सदस्य देशों की सम्मतियों के दो दौर शामिल होते हैं। दूसरे दौर की सम्मतियों को समाप्त करने के लिए चरण 5 पर निर्णय लिया जा सकता है (चरण 6 और 7)। इसके बारे में त्वरित 5–स्तरीय प्रक्रिया अपनाने के लिए आरंभ में निर्णय लिया जा सकता है, जिसके तहत सरकारी सम्मतियों के लिए केवल एक दौर की अनुमति होती है।

प्रश्न 40 : कोडेक्स में 8–चरणीय मानक निर्धारण प्रक्रिया क्या है?

उत्तर : इसका विवरण निम्नानुसार है :

चरण 1 : परियोजना के प्रस्ताव का कार्यकारी समिति द्वारा पुनरीक्षण किया जाता है और कमिशन द्वारा स्थापित प्राथमिकताओं तथा मानदंडों से उसकी तुलना की जाती है।

चरण 2, 3 और 4 : मसौदा पाठ तैयार किया जाता है (चरण 2) और सम्मतियों के लिए सदस्य देशों तथा सभी हितबद्ध पक्षों को परिचालित किया जाता है (चरण 3)। मसौदे और सम्मतियों की समिति स्तर पर पुनरीक्षा की जाती है (चरण 4) और आवश्यकता होने पर नया मसौदा बनाया जाता है।

चरण 5 : कमिशन हुई प्रगति की समीक्षा करता है मसौदे को अंतिम रूप देने पर सहमति व्यक्त करता है। इस चरण के बाद मसौदे पर सामान्य विषय समितियों द्वारा भी सहमति व्यक्त की जाती है, जिससे वह कोडेक्स के सामान्य मानकों के अनुरूप हो।

चरण 6 और 7 : अनुमोदित मसौदे को सरकारों तथा हितबद्ध पक्षों को सम्मतियों के लिए फिर भेजा जाता है और उसे संबंधित समिति द्वारा अंतिम रूप दिया जाता है। मसौदा कमिशन को अंगीकरण के लिए प्रस्तुत किया जाता है।

चरण 8 : सम्मतियों के अंतिम दौर के बाद कमिशन मसौदे को औपचारिक कोडेक्स पाठ के रूप में अंगीकृत कर लेता है। मानक, दिशा–निर्देश अथवा अन्य पाठों को तब कोडेक्स सचिवालय द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

प्रश्न : कोडेक्स में 5–चरणीय मानक निर्धारण प्रक्रिया क्या है?

उत्तर : चरण 1 : कार्यकारी समिति परियोजना के प्रस्ताव की पुनरीक्षा करती है और कमिशन द्वारा स्थापित मानदंडों तथा प्राथमिकताओं से उनकी तुलना करती है।

चरण 2, 3 और 4 : मसौदे का पाठ बनाया जाता है (चरण 2) और सदस्य देशों तथा हितबद्ध पक्षों को उनकी सम्मतियों के लिए परिचालित किया जाता है (चरण 3)। समिति स्तर पर मसौदे और प्राप्त सम्मतियों की पुनरीक्षा की जाती है (चरण 4) और आवश्यकता होने पर नया मसौदा बनाया जाता है।

चरण 5 : प्रस्तावित मसौदा मानक को कोडेक्स मानक के रूप में अंगीकरण के लिए कार्यकारी समिति को समीक्षा के लिए सचिवालय के माध्यम से और कमिशन को प्रस्तुत किया जाता है। उसके साथ सदस्यों तथा हितबद्ध अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से संशोधन के लिए प्राप्त लिखित प्रस्ताव भी भेजे जाते हैं।

प्रश्न 42 : क्या कोडेक्स मानकों के त्वरित निर्धारण की कोई प्रक्रिया है?

उत्तर : हाँ। उन्हें त्वरित 5–चरणीय प्रक्रिया द्वारा निर्धारित किया जा सकता है, जिसके तहत सरकारी सुझावों का केवल एक दौर होता है। तथापि, यह निर्णय लेते समय सभी उचित मामलों को ध्यान में रखा जाता है, जिसमें निकट भविष्य में उपलब्ध होने वाली नई वैज्ञानिक सूचना की संभावना शामिल है।

प्रश्न 43 : क्या कोडेक्स मानकों का प्ररूप मानक है?

उत्तर : हाँ। वस्तुओं के मानकों का स्थापित फोरमैट, जो प्रक्रिया मैनुअल में विहित है, के निम्नलिखित घटक होते हैं:

- मानक का नाम
- विषय–क्षेत्र
- विवरण
- अनिवार्य संघटन और गुणता संबंधी घटक
- खाद्य सहयोज्य पदार्थ
- संदूषक
- स्वच्छता
- भार और माप

- लेबलिंग
- विश्लेषण और प्रतिचयन पद्धतियाँ।

प्रश्न 44 : मानक–निर्धारण का कॉमन फोरमैट बनाने के क्या फायदे हैं?

उत्तर : मानक–निर्धारण का कॉमन फोरमैट बनाने के कई फायदे हैं :

- यह कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमिशन की सहायक संस्थाओं को अपने वस्तुगत मानक एकरूप में प्रस्तुत करने में सहायता करता है।
- इससे मानक–निर्धारण के लिए ढाँचागत नजरिया विकसित होता है, जिससे उपभोक्ता संरक्षा के लिए आवश्यक सभी तत्वों की पहचान होना और उनका उल्लेख होना सुनिश्चित हो जाता है।
- इससे सदृश उत्पादों के मानकों के उपबंध एक समान बनाने में सहायता मिलती है।
- इससे राष्ट्रीय मानक–निर्धारण के लिए सरकारों द्वारा एक मॉडल के रूप में भी अपनाया जा सकता है।

प्रश्न 45 : कोडेक्स प्रलेखन की मुख्य श्रेणियाँ कौन–कौन सी हैं?

उत्तर : कोडेक्स प्रलेखन को निम्नलिखित आठ मुख्य श्रेणियों में विभाजित किया गया है :

- कोडेक्स प्रक्रिया मैनुअल
- एलिनार्म्स
- समिति के वर्किंग पेपर (सीएक्स)
- परिचालन पत्र (सीएल)

- सम्मेलन कक्ष के प्रलेख (सीआरडी)
- सूचना प्रलेख (आईएनएफ)
- अंगीकृत पाठ

प्रश्न 46 : कोडेक्स के लिए विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) **के कौन से समझौते महत्वपूर्ण हैं?**

उत्तर : अंतर्राष्ट्रीय खाद्य व्यापार के लिए डब्ल्यूटीओ के दो समझौतों का बहुत महत्व है :

- स्वच्छता और पादप–आरोग्यता संबंधी समझौता, जो मानव, पादप और पशु आरोग्यता के लिए किए जाने वाले उपायों से संबंधित है; और
- व्यापार में तकनीकी अवरोध समझौता (टीबीटी), जो तकनीकी विनियमों और अनुरूपता आकलन प्रक्रियाओं से संबंधित है और सभी वस्तुओं पर लागू होता है, न कि केवल खाद्य पर।

प्रश्न 47 : कोडेक्स और एसपीएस समझौते में क्या संबंध है?

उततर : खाद्य सुरक्षा के लिए एसपीएस समझौते में सीएसी द्वारा स्थापित मानकों, दिशा–निर्देशों और अनुशंसओं का विशिष्ट संदर्भ दिया जाता है

प्रश्न 48 : मुझे कोडेक्स एलिमेंटेरियस पाठ कहाँ से मिल सकते हैं?

उत्तर : सभी कोडेक्स मानक, दिशा–निर्देश और रीति संहिताएँ कोडेक्स एलिमेंटेरियस की वेबसाइट www.codexalimentarius.net पर प्रकाशित किए जाते हैं। ये निशुल्क डाउनलोड किए जा सकते हैं। प्रिंट और सीडी रोम के रूप में प्रकाशनों की लागत ली जाती है।